

**Directorate of Education**

Govt. of NCT of Delhi

# **Practice Test Material**

## **2015-2016**

**Subject : HINDI**

**Class : X**

*Under the guidance of :*

**Addl. DE (School/Exam)**

## कार्य प्रपत्र-1

### कक्षा - दसवीं

### विषय - हिन्दी ऐच्छिक

समय : 1 घंटा

अंक : 20

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ। नवाबी आदतें, अधूरी महत्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती-थरथराती रहती थीं। अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँखें मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब-तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते।

- प्रश्न- क. यहाँ किसकी गिरती आर्थिक स्थिति की ओर संकेत किया गया है?  
ख. लेखिका के पिता बच्चों को आर्थिक विवशताओं में भागीदार क्यों नहीं बनाते थे?  
ग. अधूरी महत्वाकांक्षाओं, बढ़ती अभावग्रस्तता का क्रोध किस पर उतरता था?  
घ. लेखिका के पिता तथा उसके भाई-बहनों को शक की दृष्टि से क्यों देखते थे?  
ङ 'महत्वाकांक्षा' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।

प्र.2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

- क. लेखिका के व्यक्तित्व पर किन-किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पड़ा?  
ख. इस पाठ में लेखिका के पिता ने रसोई को 'भटियारखाना' कहकर क्यों संबोधित किया है?  
ग. लेखिका की अपने पिता से वैचारिक टकराहट को अपने शब्दों में लिखिए।  
घ. अपनों का विश्वासघात मनुष्य के व्यक्तित्व को विकृत कर देता है - अपने विचार दीजिए।  
ङ लेखिका के आत्मकथ्य 'एक कहानी यह भी' क्या प्रेरणा देती है?

प्र.3 आप दिल्ली परिवहन निगम की बस से यात्रा कर रहे थे। आपका सामान बस में छूट गया है। इस संबंध में सूचित करते हुए परिवहन अधिकारी को पत्र लिखिए।

अथवा

अपने क्षेत्र में पेय-जल की समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए।

## कार्य प्रपत्र-2

### कक्षा - दसवीं

### विषय - हिन्दी ऐच्छिक

समय : 1 घंटा

अंक : 20

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 5
- बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी॥  
पुनि-पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू॥  
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाही। जे तरजनी देखि मरि जाहीं॥  
देखि कठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना॥  
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी॥  
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई॥  
बधैं पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें॥  
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा॥
- क. 'फूँक मार कर पहाड़ उड़ाना' मुहावरे का क्या तात्पर्य है?  
ख. लक्ष्मण ने परशुराम के क्रोध को सहने का क्या कारण बताया?  
ग. लक्ष्मण के अनुसार उनके कुल में किस-किस पर वीरता नहीं दिखाई जाती?  
घ. परशुराम को मारने पर पाप और अपयश की संभावना क्यों थी?  
ङ. लक्ष्मण ने परशुराम की वाणी के किस गुण पर व्यंग्य किया है?
- प्र.2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (दो वाक्य से चार वाक्य तक) 10
- क. परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए?  
ख. राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में राम और लक्ष्मण के चरित्र में मुख्य अंतर क्या है?  
ग. लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएं बताईं?  
घ. परशुराम ने फरसे की तरफ देखकर लक्ष्मण को न मारने का क्या तर्क दिया?  
ङ. 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' से आपको क्या शिक्षा मिलती है?
- प्र.3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए - 5
- क. पर्यावरण असंतुलन
1. बढ़ती जनसंख्या
  2. विकास की भूख
  3. घटते पेड़ बढ़ती इमारतें
- ख. जीवन में कंप्यूटर की उपयोगिता
1. वर्तमान युग-कंप्यूटर युग
  2. कंप्यूटर की उपयोगिता
  3. कार्यालय तथा इंटरनेट में सहायक
  4. नवीन उपकरणों में उपयोगिता

**कार्य प्रपत्र-3**  
**कक्षा - दसवीं**  
**विषय - हिन्दी ऐच्छिक**

समय : 1 घंटा

अंक : 20

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

5

मान लीजिए पुराने जमाने में भारत की एक भी स्त्री पढ़ी-लिखी न थी, न सही। उस समय स्त्रियों को पढ़ाने की जरूरत न समझी गयी होगी। पर अब तो है। अतएव पढ़ाना चाहिए। हमने सैकड़ों पुराने नियमों, आदेशों और प्रणालियों को तोड़ दिया है या नहीं? तो, चलिए, स्त्रियों को अनपढ़ रखने की इस पुरानी चाल को भी तोड़ दें। हमारी प्रार्थना तो यह है कि स्त्री-शिक्षा के विपक्षियों को क्षण भर के लिए भी इस कल्पना को अपने मन में स्थान न देना चाहिए कि पुराने जमाने में यहाँ की सारी स्त्रियाँ अनपढ़ थीं अथवा उन्हें पढ़ने की आज्ञा न थी। जो लोग पुराणों में पढ़ी-लिखी स्त्रियों के हवाले मांगते हैं उन्हें श्रीमद्भागवत, दशम स्कंध के उत्तरार्द्ध का त्रेपनवां अध्याय पढ़ना चाहिए। उसमें रुक्मिणी-हरण की कथा है। रुक्मिणी ने जो एक लंबा-चौड़ा पत्र लिखकर, एक ब्राह्मण के हाथ, श्रीकृष्ण को भेजा था वह तो प्राकृत में न था। उसके प्राकृत में होने का उल्लेख भागवत में तो नहीं। उसमें रुक्मिणी ने जो पाण्डित्य दिखाया है वह उसके अनपढ़ और अल्पज्ञ होने अथवा गंवारपन का सूचक नहीं।

क. लेखक ने किस जरूरत की ओर लोगों का ध्यान आकृष्ट किया है?

ख. लेखक किस परंपरा को बदलने की बात कर रहा है?

ग. स्त्रियों के पढ़ी-लिखी होने का प्रमाण मांगने वालों के लिए लेखक क्या करने के लिए कहता है?

घ. रुक्मिणी के कृष्ण को पत्र लिखने का उल्लेख किस ग्रंथ में मिलता है?

ङ 'अल्पज्ञ' शब्द का विलोम लिखिए।

प्र.2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

10

क. तब (पुराने समय) और अब की शिक्षा-प्रणाली में क्या अन्तर है? स्पष्ट करें।

ख. परंपरा के उन्हीं पक्षों को स्वीकार किया जाना चाहिए जो स्त्री-पुरुष समानता को बढ़ाते हों - तर्क सहित उत्तर दीजिए।

- ग. महावीर प्रसाद द्विवेदी का निबंध उनकी दूरगामी और खुली सोच का परिचायक है, कैसे?
- घ. पुराने ज़माने में स्त्रियाँ अनपढ़ थीं, इस विषय में स्त्री-शिक्षा के विरोधी क्या-क्या दलीलें देते हैं?
- ङ. पुराने ज़माने में नियमबद्ध शिक्षा-प्रणाली का उल्लेख न मिलने पर लेखक ने आश्चर्य नहीं माना। क्यों?

प्र.3 रेखांकित शब्दों का पद-परिचय दीजिए -

5

- क. रोहन थोड़ा खाता है।
- ख. जन्मदिन पर मुझ उपहार मिले।
- ग. बच्चे हँस रहे हैं।
- घ. छात्र मैदान में खेल रहे हैं।
- ङ. मैं प्रतिदिन व्यायाम करता हूँ।

**कार्य प्रपत्र-4**  
**कक्षा - दसवीं**  
**विषय - हिन्दी ऐच्छिक**

समय : 1 घंटा

अंक : 20

प्र.1 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

5

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं  
देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।  
दुख है न चांद खिला खिला शरद-रात आने पर,  
क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?  
जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण,  
छाया मत छूना  
मन, होगा दुख दूना।

क. कवि को पंथ क्यों नहीं दिखाई दे रहा है?

ख. कवि का शरीर तो सुखी है पर मन नहीं। ऐसा क्यों?

ग. 'दुख है न चांद खिला, शरद रात आने पर' का आशय स्पष्ट कीजिए।

घ. 'क्या हुआ जो खिला फूल रस-वसंत जाने पर' - का क्या तात्पर्य है?

ङ. कवि क्या भूलने की बात कहता है?

प्र.2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

10

क. कवि ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है?

ख. मृगतृष्णा का क्या तात्पर्य है? कविता में इसका प्रयोग किस अर्थ में हुआ है?

ग. 'छाया मत छूना' कविता में क्या संदेश है?

घ. 'छाया मत छूना' कविता कविता की अपनी अनुभूति का बिंब है, सिद्ध कीजिए।

ङ. 'छाया' शब्द का क्या तात्पर्य है?

प्र.3 गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया है?

5

अथवा

प्रकृति ने जल-संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है?

## कार्य प्रपत्र-5

### कक्षा - दसवीं

### विषय - हिन्दी ऐच्छिक

समय : 1 घंटा

अंक : 20

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 5
- अपने ऊहापोहों से बचने के लिए हम स्वयं किसी शरण, किसी गुफा को खोजते हैं जहां अपनी दुश्चिन्ताओं, दुर्बलताओं को छोड़ सकें और वहां से फिर अपने लिए एक नया तिलिस्म गढ़ सकें। हिरन अपनी ही महक से परेशान पूरे जंगल में उस वरदान को खोजता है जिसकी गमक उसी में समाई है। अस्सी बरस से बिस्मिल्ला खां यही सोचते आए हैं कि सातों सुरों को बरतने की तमीज उन्हें सलीके से अभी तक क्यों नहीं आई।
- क. ऊहापोह का क्या अर्थ है?
- ख. मानव अपने लिए गुफा क्यों खोजता है?
- ग. अपने लिए नया तिलिस्म गढ़ सकने का क्या अर्थ है?
- घ. हिरन जंगल में किसलिए परेशान भटकता है?
- ङ. बिस्मिल्ला खां अस्सी वर्षों तक शहनाई बाजने के बारे में क्या सोचते आए हैं?
- प्र.2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 10
- क. शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है?
- ख. बिस्मिल्ला खां को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?
- ग. काशी में हो रहे कौन से परिवर्तन बिस्मिल्ला खां को व्यस्थित करते हैं?
- घ. बिस्मिल्ला खाँ हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रतीक थे। कैसे?
- ङ. बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया और क्यों?
- प्र.3 निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए - 5
- क. मैंने खाना खाया। (कर्मवाच्य)
- ख. बच्चा रोता है। (भाववाच्य)
- ग. अमित से दौड़ा नहीं जाता। (कर्तृवाच्य)
- घ. हम स्वामी दयानंद को नहीं भूल सकते। (कर्मवाच्य)
- ङ. आओ, आज नहर में तैर लें। (भाववाच्य)

**कार्य प्रपत्र-6**  
**कक्षा - दसवीं**  
**विषय - हिन्दी ऐच्छिक**

समय : 1 घंटा

अंक : 20

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 5
- मां ने कहा पानी में झांककर  
अपने चेहरे पर मत रीझना  
आग रोटियां सेंकने के लिए है  
जलने के लिए नहीं  
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह  
बंधन हैं स्त्री जीवन के  
मां ने कहा लड़की होना  
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।
- क. मां ने विदाई के समय बेटी को क्या शिक्षा दी?  
ख. 'आग रोटियां सेंकने के लिए, जलने के लिए नहीं' - मां ने बेटी से क्यों कहा?  
ग. स्त्री-जीवन के लिए किन्हीं बंधन बताया गया है?  
घ. उपर्युक्त काव्यांश में समाज में व्याप्त किस कुरीति की ओर संकेत किया गया है?  
ङ 'लड़की जैसी मत दिखाई देना' - मां ने ऐसा क्यों कहा?
- प्र.2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 10
- क. मां ने अपनी बेटी 'अंतिम पूजा' क्यों लग रही थी?  
ख. मां ने बेटी को क्या-क्या सीख दी।  
ग. आपकी दृष्टि में कन्या के साथ 'दान' की बात करना कहां तक उचित है?  
घ. कविता के अनुसार स्त्रियों की वर्तमान दशा पर विचार कीजिए।  
ङ 'कन्यादान' कविता में समाज पर निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।
- प्र.3 कठोर हृदय समझी जाने वाली दुलारी टुन्नु की मृत्यु पर विचलित क्यों हो उठी? 5
- अथवा
- 'एही ठैयां झुलनी हेरानी हो रामा' पाठ के संदेश को स्पष्ट कीजिए।



## कार्य प्रपत्र-7

### कक्षा - दसवीं

### विषय - हिन्दी ऐच्छिक

समय : 1 घंटा

अंक : 20

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

5

और सभ्यता? सभ्यता है संस्कृति का परिणाम। हमारे खाने-पीने के तरीके, हमारे ओढ़ने-पहनने के तरीके, हमारे गमनागमन के साधन, हमारे परस्पर कट मरने के तरीके; सब हमारी सभ्यता हैं। मानव की जो योग्यता उससे आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति? और जिन साधनों के बल पर वह दिन-रात आत्म-विनाश में जुटा हुआ है, उन्हें हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाताटूट जायेगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी और ऐसी संस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम असभ्यता के अतिरिक्त दूसरा क्या होगा?

क. सभ्यता किसका परिणाम है?

ख. सभ्यता में क्या-क्या समाहित है?

ग. संस्कृति और असंस्कृति में क्या अन्तर है?

घ. असंस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम क्या होगा?

ङ 'विनाश' का विलोम लिखिए।

प्र.2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

10

क. आग की खोज एक बहुत बड़ी खोज क्यों मानी जाती है?

ख. वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है?

ग. सुई-धागे के आविष्कार के लिए क्या कारण रहे होंगे?

घ. सभ्यता और संस्कृति में क्या अन्तर है?

ङ 'संस्कृति' पाठ से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

प्र.3 निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए -

5

क. सूरज के उगते ही अन्धकार दूर हो गया। (मिश्र वाक्य)

ख. वह कानपुर आकर काम करने लगा है। (मिश्र वाक्य)

ग. मैंने उस महिला को सड़क पार कराया जो अंधी थी। (सरल वाक्य)

घ. रहीम बोला, मैं कर्नाटक जा रहा हूँ। (संयुक्त वाक्य)

ङ वह उस घर में रहता है जो बहुत बड़ा है। (सरल वाक्य)

**कार्य प्रपत्र-8**  
**कक्षा - दसवीं**  
**विषय - हिन्दी ऐच्छिक**

समय : 1 घंटा

अंक : 20

- प्र.1 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 5
- और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है  
या अपने स्वर को ऊंचा न उठाने की जो कोशिश है  
उसे विफलता नहीं  
उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।
- क. किसको आवाज़ में हिचक सुनाई देती है और क्यों?  
ख. संगतकार अपने स्वर को ऊंचा क्यों नहीं उठने देता।  
ग. कवि किसे मनुष्यता मानता है?  
घ. काव्यांश में 'संगतकार' शब्द का क्या अर्थ है?  
ङ इस काव्यांश की भाषा कौन-सी है?
- प्र.2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10
- क. संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा था?  
ख. संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं?  
ग. सफलता के चरम शिखर पर पहुँचने के दौरान यदि व्यक्ति लड़खड़ाते हैं तब उन्हें कौन व किस तरह संभालते हैं?  
घ. संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं?  
ङ 'संगतकार' कविता का संदेश क्या है?
- प्र.3 आज का युवा कल देश का भविष्य है, देश के भावी कर्णधार होने के नाते विज्ञान के दुरुपयोग को रोकने में आपकी क्या भूमिका हो सकती है। 5

## कार्य प्रपत्र-9

### कक्षा - दसवीं

### विषय - हिन्दी ऐच्छिक

### ( साना-साना हाथ जोड़ि... )

समय : 1 घंटा

अंक : 20

- प्र.1 प्रदूषण के कारण ऋतु-चक्र में बदलाव आया है। इसके लिए हम कितने जिम्मेदार हैं? वातावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए आप क्या उपाय कर सकते हैं?
- प्र.2 देश की सीमा पर तैनात सैनिकों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। हम उनके प्रति अपनी कृतज्ञता किस प्रकार ज्ञापित कर सकते हैं?
- प्र.3 प्रकृति ने जल संचयन की समुचित व्यवस्था की है? फिर भी महानगरों में बढ़ता जल संकट भविष्य के प्रति एक गम्भीर चेतावनी है। आप किस प्रकार जलसंचयन करके इस संकट से उबरने में योगदान दे सकते हैं?
- प्र.4 लेखिका का आम जनता के प्रति विचार है - “कितना कम लेकर समाज को कितना अधिक लौटाते हैं।” आप आम नागरिक होने के नाते समाज के उत्थान के लिए क्या करना चाहेंगे?

## कार्य प्रपत्र-10

### कक्षा - दसवीं

### विषय - हिन्दी ऐच्छिक

### ( एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा! )

समय : 1 घंटा

अंक : 20

- प्र.1 क्या प्रेम और मित्रता की गहराई को उपहारों में मापा जा सकता है? आपके विचार से प्रेम और मित्रता करने के लिए उपहारों का आदान-प्रदान कितना आवश्यक है?
- प्र.2 भारत को स्वतंत्रता दिलाने में आम व्यक्ति की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता। यदि आप उस समय मौजूद होते, तो किस प्रकार अपना योगदान देते?
- प्र.3 स्वतंत्रता आंदोलन में विदेशी वस्त्रों एवं सामान की होली जलाई गई, किन्तु आज हम विदेशी वस्त्रों व सामान के प्रति विशेष रुचि दिखाते हैं। ऐसा क्यों है? अपने विचार दीजिए।
- प्र.4 “आज का बच्चा भविष्य का एक ज़िम्मेदार नागरिक है।” एक अच्छा नागरिक बनने के लिए आप अपने अंदर किन-किन गुणों को विकसित करना चाहेंगे?

## कार्य प्रपत्र-11

### कक्षा - दसवीं

### विषय - हिन्दी ऐच्छिक

समय : 1 घंटा

अंक : 20

- प्र.1 अनुभूति के स्तर पर जो विवशता होती है, वह बौद्धिक पकड़ से आगे की बात है और उसकी तर्कसंगति भी अलग होती है - लेखक ने ऐसा क्यों कहा?
- प्र.2 हिरोशिमा जाने पर लेखक को क्या प्रत्यक्ष अनुभव हुआ?
- प्र.3 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर बताइए कि भीतरी विवशता क्या होती है? लेखक ने इसे प्रकट करने के लिए किसकी चर्चा की है?
- प्र.4 क्या आपने कभी हिरोशिमा जैसी घटना का अनुभव किया है? लेखक के स्थान पर आप होते तो आपकी इस घटना पर क्या प्रतिक्रिया होती? अपनी संवेदनाओं एवं विचारों को स्पष्ट कीजिए।